A–1041

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY–201

M.A. Jyotish (MAJY)

होराशास्त्र एवं फलोदश विवेचन

2nd Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहों के उच्च-नीच, मूलत्रिकोण एवं उनके स्वरूपों का विस्तृत वर्णन करें।

2. विंशोपक बल से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट करते हुए साधन कीजिए।

3. अरिष्ट भंग योग विचार का विश्लेषण कीजिए।

4. अप्रकाश ग्रहफल से आप क्या समझते हैं ? विस्तारपूर्वक लिखिये।

अथवा

षोडश वर्ग का विवेचन करें।

5. सोदाहरण आयु विचार एवं साधन का प्रतिपादन करें।

अथवा

ग्रहदृष्टि एवं ग्रहमैत्री विचार का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. राशियों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. भाव एवं कारक से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

3. सोदाहरण 'षडवर्ग' का विश्लेषण कीजिए।

4. ग्रहों के अवस्था का विचार कैसे किया जाता है ?

5. भावफल विचार का संक्षिप्त उल्लेख करें।

6. द्विग्रहादि योग फल क्या है ?

7. सप्त वारों में उत्पन्न जातक का फल लिखिए।

8. अरिष्ट योग विचार का वर्णन कीजिए।

****